राज
कॉमिक्स विशेषांक
मूल्य 40.00 संख्या 2290
नागायण
शरणकाण्ड
चतुर्थ खण्ड

वरण काण्ड, ग्रहण काण्ड
हरण काण्ड संक्षेप में।

अब तक आपने पढ़ा-

सन् **2023** में प्रलय धूमकेतु पृथ्वी से टकर जाता है। जिसकी ब्लैक पॉवर्स का शिकार होत है नागपाशा। उस क्रूरात्मा में समा जाती हैं बेइंतिहा शक्तिशाली काली शक्तियां। नागपाशा तीन रूपों में विभाजित हो जाता है। क्रूरपाशा, भीरुपाशा व सुप्तपाशा।

क्रूरपाशा ब्लैक पॉवर्स के बल पर ब्रह्माण्ड सम्राट बनने का सपना संजो लेता है। प्रलया के पृथ्वी से टकराने की पूर्व सूचना मिलने पर पृथ्वीवासी उसके कहर से बचने के लिए अण्डर ग्राउण्ड सिटीज में स्थानांतरित हो जाते हैं। लेकिन वहां भी क्रूरपाशा की ब्लैक पॉवर्स का कहर जारी रहता है। उस कहर से पृथ्वीवासियों को बचाते हैं दो ब्रह्माण्ड रक्षक नागराज और सुपर कमाण्डो ध्रुव।

नागद्वीप जो कि अब मूल क्षेत्र कहलाता है। वहां रचा जाता है नागकुमारी

विसर्पी का स्वयंवर। गुरु गोरखनाथ नागराज और ध्रुव को इस स्वयंवर में लेकर जाते हैं। जहां नागराज स्वयंवर को जीत लेता है और विसर्पी से उसका विवाह हो जाता है। विसर्पी को लेकर नागराज महानगर लौटता है किंतु वहां अदालत नागराज और विसर्पी को नगर निकाला दे देती है क्योंकि नागराज का पहले ही भारती से विवाह हो चुका है।

इधर सुपर कमाण्डो ध्रुव की निजी जिंदगी में भी बहुत सी कठिनाइयां सिर उठा रही हैं। उसकी पत्नी नताशा उसे छोड़कर और ध्रुव के पुत्र ऋषि को लेकर ग्रेंड मास्टर रोबो के घर जा कर रहने लगी है। ध्रुव को ब्लैक कैट यानि रिचा बताती है कि यह सब नगीना का षड़यंत्र है जो कि क्रूरपाशा से मिली हुई है। अब पृथ्वी पर तीन खतरे अपना शिकंजा कस रहे हैं क्रूरपाशा, नगीना और ग्रेंड मास्टर रोबो। ध्रुव इस महायुद्ध के खतरे को भांप लेता है और कानन वन में नागराज और विसर्पी के पास पहुंच जाता है लेकिन ध्रुव से भी पहले वहां पहुंच चुका है क्रूरपाशा जो कि विसर्पी का हरण करना चाहता है।

विसर्पी का हरण रोकने में नागराज, ध्रुव व फ्लेमिना जी जान लगा देते हैं किंतु क्रूरपाशा गुरुदेव के कुचक्रों की मदद से सफलता प्राप्त कर ही लेता है और हो जाता है विसर्पी का हरण।

क्या नागराज और ध्रुव विसर्पी को नागपाशा के चुंगुल से बचा पाए?

क्या क्रूरपाशा, नगीना और ग्रेंड मास्टर रोबो दुनिया को जीत पाने के अपने षड़यंत्र में सफल हो पाए?

जानने के लिए पढ़ें–

जब जब पाप धरा पर आई। कथा जाई पुनि पुनि दोहराई।

संजय गुप्ता की पेशकश
राज कॉमिक्स है मेरा जनून!
कथा : अनुपम सिन्हा, जॉली सिन्हा
चित्र : अनुपम सिन्हा
इंकिंग : विनोद कुमार
सुलेख : सुनील पाण्डेय
इफेक्ट्स : विश्वजया, नगेन्द्र, शशांक, साहिल
प्रथम अध्याय
विसर्पी की खोज

अब विसर्पी मेरी है! यानी नागशक्ति अब मेरे साथ होगी!
और फिर ब्रह्मांड मेरे क
में होगा!
विसर्पी का हरण हो चुका था-
एक अनहोनी घट चुकी थी-
और नागराज अभी तक इससे अंजान था-
फ्लेमिना!

फ्लेमिना! तुम ठीक तो हो न! बोलो! कुछ तो बोलो!
नागराज!
लो! नाम लिया और आ गई मुसीबतों की मुसीबत!
सुपर कमांडो ध्रुव! पर विसर्पी नजर नहीं आ रही है!
न... मैं ठीक हूं नागराज! तुम जाकर विसर्पी की खोज-खबर लो! कहीं उन पर भी कोई इस तरह की मुसीबत न आई हो!
उसकी चिन्ता छोड़ो फ्लेमिना! उसके साथ जो है, वह मुसीबतों के लिए खुद एक मुसीबत है!
विसर्पी कहां है, ध्रुव?
विसर्पी का हरण हो गया है नागराज!
ले गया है क्रूरपाशा उसको!

क्रूरपाशा ले गया विसर्पी को! ये कैसे हो सकता है?
ये नहीं हो सकता है! वो तो यहां पर था भी नहीं!
अगर ये सच है तो इससे बड़ा झूठ हो ही नहीं सकता!
क्योंकि, विसर्पी को मैंने तुम्हारे हवाले किया था!
पर तुमने विसर्पी को मेरे हाथों में नहीं सौंपा था, नागराज!
वो हाथ क्रूरपाशा के थे!
उस क्रूरपाशा के जो मुझसे पहले ही मेरा रूप धरकर यहां आ धमका था!
क्या?
हां, नागराज हां! तुम बकरी को भेड़िए के हाथों में सौंप रहे थे! तुमने खुद विसर्पी को क्रूरपाशा के साथ भेजा था!
पर... पर मैं उसे पहचान क्यों नहीं पाया?

क्रूरपाशा पूरी तैयारी के साथ आया था। उसने जरूर कोई ऐसा उपाय कर रखा होगा, ताकि तुम्हारी तेज 'सर्प-दृष्टि' उसके असली रूप को न देख पाए!
फिर भी मुझे चाहिए थी। खासतौर से तब जब मुझे पहले से ही क्रूरपाशा की तरफ से खतरे का अंदेशा था!
तभी तो विसर्पी भी उसको पहचान नहीं पाई और इस भ्रम में उसके साथ चली गई कि वह मेरे साथ आ रही है!
ओफ्फो! अब छोड़ो ये डिस्कशन और विसर्पी को बचाने की तरफ ध्यान दो!
न जाने क्रूरपाशा उसे कहां ले जा रहा होगा!
फ्लेमिना सही कह रही है! क्रूरपाशा ने विसर्पी का हरण करके नागराज के क्रोध को जगा दिया है!
आज नागराज, क्रूरपाशा और उसकी ब्लैक पॉवर्स के खिलाफ निर्णायक युद्ध का ऐलान करता है!
मैं भी महानगर जाकर 'सेटेलाइट सर्च' के जरिए विसर्पी और क्रूरपाशा का पता लगाने की कोशिश करती हूं!
पर फ्लेमिना महानगर जाएगी कैसे? ये जगह तो चारों तरफ बाधा-बंध से घिरी हुई है!
बाधाबंध टूट चुका है, नागराज! कैसे, यह मुझे पता नहीं है! मुझे भी विसर्पी हरण का पता टूटे बाधाबंध को देखकर ही लगा! हरण मेरी आंखों के सामने नहीं हुआ था, वर्ना...

ओफ़! अब तो ये पता चलना भी मुश्किल है कि क्रूरपाशा, विसर्पी को कहां और किस दिशा में ले गया होगा!
...विसर्पी से 'सर्प-तरंगों' के द्वारा संपर्क करता हूं!
विसर्पी की तलाश शुरू हो चुकी थी-
सच? तुमने देखा है? किस दिशा में गया था उनका यान?
विसर्पी! तुम कहां हो, विसर्पी?
नागराज! क्रूरपाशा और विसर्पी के जाने की दिशा का पता चल गया है!
यानी तुमको भी पता चल गया है कि विसर्पी को दक्षिण-पश्चिम दिशा की तरफ ले जाया गया है!
विसर्पी मिल गई! सुनो विसर्पी!
ओफ़! संपर्क टूट गया!
मेरा भी विसर्पी से संपर्क हुआ!
पर तुरन्त टूट गया!
क्या?

ये कैसे हो सकता है! विसर्पी एक ही समय में दो अलग-अलग स्थानों पर कैसे हो सकती है!
चिड़िया! कहीं वह चिड़िया मैना तो नहीं थी!
सुना है मैना बहुत झूठ बोलती है!
वह तोता था!
और तोते कभी झूठ नहीं बोलता!
मुझे अपनी सूचना पर पूरा भरोसा है!
मेरे संकेतों की दिशा गलत नहीं हो सकती! तुमको दिशा की सूचना किसने दी?
एक चिड़िया ने!
मैं विसर्पी से दुबारा संपर्क भी नहीं बना पा रहा हूं!
अब ये कैसे तय किया जाए कि हमको विसर्पी को ढूंढने किस दिशा में जाना है!
हां, नागराज! अलग-अलग!
मैं तो विसर्पी से किसी भी तरह संपर्क बनाकर, उसको नाग-संकेतों के सहारे ढूंढ लूंगा!
पर तुम विसर्पी को कैसे ढूंढोगे?
इस 'स्निफर' की मदद से! यही तो मुझे इस जंगल में तुम्हारे पास तक लेकर आया था!
इस समस्या का हल तो आसान है नागराज! विसर्पी के जाने की दिशा दो हैं, और हम भी दो हैं!
यानी हम दोनों अलग-अलग दिशाओं में जाएंगे!
स्निफर! ये चीज क्या है?

जादू का पिटारा है ये! इसके अंदर ऐसे अत्याधुनिक सर्किट्स हैं जो समुद्र में मिली इत्र की एक बूंद तक को सूंघ सकते हैं! इसके अलावा इसमें लेजर, 3 डी स्कैनर और यहां तक कि प्रिंटर भी लगा हुआ है! और...
बस, बस, ध्रुव! मत भूलो कि हमें विसर्पी को बचाने के लिए जाना भी है!
ठीक है दोस्त!
उम्मीद है कि अब हम विसर्पी के साथ ही मिलेंगे!
विसर्पी जिसको भी पहले मिलेगी, वह दूसरे को ब्रह्मांड रक्षकों की फ्रीक्वेंसी पर संपर्क करेगा!
वायु-शक्ति!
एक महाअभियान का प्रारंभ हो गया था-
अग्नि-शक्ति!
लेकिन उससे पहले विसर्पी को बचाने का प्रयास कोई और भी कर रहा था-
खुद विसर्पी-
तूने मेरा हरण करके एक नागिन के क्रोध को ललकारा है, क्रूरपाशा!

एक मिनट! एक मिनट! तुमको तो मेरा शुक्रिया अदा करना चाहिए कि, मैं तुमको उस ... से दूर ले आया हूं, जिससे बचकर तुम भागती फिर रही हो!
इसको अपराध नहीं, पाप कहते हैं क्रूरपाशा! धोखा, छल, कपट!
और पापियों को सजा देने का काम तो मैं वर्षों से करती आ रही हूं!
जिससे छुटकारा पाने के लिए तुमने खुद उसके ऊपर केस किया था!
शुक्रिया तो दूर तुम तो मुझे ऐसे पीट रही हो जैसे मैंने कोई अपराध किया हो!
पाप! किसी से विवाह करने की इच्छा को पाप कब से कहा जाने लगा?
एक विवाहित नारी से विवाह करने की इच्छा प्रकट करना पाप नहीं, महापाप है! और सदियों से है!
बोल! मेरा ये रूप देखकर भी तुझमें मुझसे विवाह करने की इच्छा बची है या नहीं?
इच्छा? अरे मैं तो तुम्हारे इस रूप पर और मोहित हो गया हूं, विसर्पी!
जरा सोचो! हमारे बच्चे भी अगर इतनी ही खतरनाक शक्ल वाले हुए तो वे यूं ही दुनिया को डराकर रखेंगे!
तू मेरा मजाक उड़ा रहा है!
अपनी होने वाली पत्नी का सम्मान कर रहा हूं! पर अब तूने ये पागलपन बंद नहीं किया तो मजबूरन मुझे तुझको...
...झॉक देना ही पड़ेगा!
तू अभी तक नागों की छोटी-मोटी रानी है! पर क्रूरपाशा तुझे ब्रह्मांड साम्राज्ञी बनाएगा!

तू बनाएगा मुझे ब्रह्मांड साम्राज्ञी!
ब्रह्मांड की रानी ब्रह्मांड साम्राज्ञी बनेगी न!
समझी! इस ब्रह्मांड का शासक मुझे छल से हर कर ले जा रहा है!
क्योंकि वह नागराज से डरता है!
नागराज! हा हा हा!
अरे नागराज को तो मेरी एक मामूली सी ब्लैक पॉवर भी मसल सकती है!
नागराज से अगर मैं लड़ता तो वह अभी मेरे हाथों से मारा जाता! जबकि मैं उसे तड़पाना चाहता हूं!
तिल-तिल करके मारना चाहता हूं!
और उसकी मौत की शुरुआत होगी मेरे और तेरे विवाह से!
ठीक है! अब तो मुझे ये देखना है कि ये नागराज की मौत की शुरुआत है या तेरी मौत की!
नहीं! क्योंकि मैं तब तक इंतजार नहीं कर सकता!
तो फिर अपनी मौत का इंतजार कर!
क्योंकि विसर्पी को छेड़कर तूने दोहरी मौत को दावत दी है!
मैं चलूंगी तेरे साथ! और जिस दिन तू नागराज को मार देगा, उसी दिन मैं तुझसे विवाह कर लूंगी!
बोल, मंजूर है?
अब सिर्फ नागराज ही नहीं, नागशक्ति भी ढूंढ़ेगी तुझे!

दादाजी! आई एम सॉरी दादाजी! न जाने मुझे क्या हो गया था!
आपको कहीं चोट तो नहीं लगी?
तुम्हारे वार में मुझको घायल करने की शक्ति थी भी नहीं भारती!
ये काम तो गादड़ यान की यांत्रिक शक्ति का था!
गादड़ यान?
क्रूरपाशा का गादड़यान!
जिसने बाधाबंध पर वार किया और उस वार का असर मेरे शरीर पर हुआ!
क्रूरपाशा! यानी वह भी काननवन में था। बाधाबंध के अंदर!
हां, भारती! मैं उसी को बाधाबंध के अंदर रखने की कोशिश कर रहा था!
बिसर्पी का हरण?
शमा! ये क्या कह रही हो तुम? ये खबर तुमको किसने दी?
क्रूरपाशा जरूर वहां पर बिसर्पी और नागराज को नुकसान पहुंचाने आया होगा!
अभी तक वह बाधाबंध के डर से खामोश था! पर मेरी गलती से बाधाबंध तिलिस्म टूट चुका है! अब न जाने क्या करेगा क्रूरपाशा?
मैं गई तो थी नागराज और बिसर्पी को उनके आरोप मुक्त होने की सूचना देने! पर मुझे इस मनहूस खबर के साथ वापस आना पड़ा है!
पर... पर ये सब हुआ कैसे?
15

शामा से पूरी कहानी सुनकर भारती दंग रह गई-
ओफ़! यानी... यानी ये सब मेरी गलती के कारण हुआ!
अपने आपको दोष मत दो, भारती! तुमने कुछ भी जानबूझकर नहीं किया है!
पर किया तो है न, दादा जी!
और जो मेरे कारण से हुआ है, उसको सुधारूंगी भी मैं ही!
धनंजय!
हां, भारती! शामा ने सूचना हम तक भी पहुंचा दी है!
तो तुमने अब तक क्या किया है?
हमारी हर सेटेलाइट, हर राडार, हर 'अर्थ स्कैनर' सिर्फ क्रूरपाशा के यान को ढूंढ रहा है!
पर उसका कहीं पता नहीं चल रहा है!
ऐसा लगता है जैसे यान हवा में घुल गया हो!
या कहीं उतर गया हो!
क्रूरपाशा ने यान को ब्लैक फोर्स के कवच में अदृश्य कर रखा है! धनंजय का देव-विज्ञान भी उस यान को नहीं ढूंढ सकता है!
उस यान को ढूंढना ही होगा दादाजी, क्योंकि जहां पर वह यान होगा, वहीं पर विसर्पी होगी!
और उस यान को अब एक ही चीज ढूंढ सकती है!
साकार-आकार!
साकार-आकार! पर साकार-आकार तिलिस्म को धारण करना पड़ता है! और पृथ्वी पर किसी इंसान में इतना जिगर नहीं है कि वह साकार-आकार तिलिस्म को धारण करने की सोच भी सके!
मैं धारण करूंगी साकार-आकार तिलिस्म को!

ये ख्याल दिल से निकाल दो, भारती!
निकाल दो दिल से!
बहुत दिन हम साथ- साथ रह लिए दादाजी!
पोती को विदा करने का वक्त आ गया है!
इस घटना ने सभी को हिलाकर रख दिया था-
हुम! वही हुआ जिसका मुझको डर था और इंतजार भी!
अब महायुद्ध तो होकर ही रहेगा! पर इतनी जल्दी उस युद्ध की शुरुआत हो, यह मैं नहीं चाहता!
विसर्पी- हरण को विफल करना बहुत जरूरी है!
पर विसर्पी गाद्ड़यान में है और गाद्ड़यान को ढूंढ पाना असंभव है!
शिकांगी! तुम 'असंभव' का अर्थ जानते हो?
नहीं, गुरुदेव!

द्वितीय अध्याय
शिकांगी
शिकांगी! ये ढूंढ़ेगा गादड़ यान को? जो काम देव विज्ञान नहीं कर पाया वह शिकांगी करेगा? हो ही नहीं सकता!
तुम शिकांगी की शक्ति से अभी अपरिचित हो, देव! मेरी शक्तियों का एक बहुत बड़ा कारण है कि मैं शिकांगी धारक हूं!
शिकांगी में सूर्य को भी ठंडा कर सकने की शक्ति है! यह वह देख सकता है जिसका तुम आभास भी नहीं कर सकते!
यह वह सुन सकता है जो सांप के कान भी नहीं सुन सकते और यह वह कर सकता है जिसकी कल्पना भी तुम नहीं कर सकते!
यह सिर्फ यान को ढूंढ़ेगा ही नहीं, बल्कि विसर्पी को क्रूरपाशा के चंगुल से बचा कर भी लाएगा!
इस वक्त शिकांगी ही ऐसी एकमात्र शक्ति है जो महायुद्ध को कुछ समय के लिए टाल सकती है!
जाओ शिकांगी और विसर्पी को लेकर वापस लौटो!
बाजील शक्ति का आह्वान किया है मैंने!
क्योंकि सिर्फ एक बाज की आंखें ही अपने उस शिकार को तलाश सकती हैं!
जो अपने सुरक्षा कवच में ऐसे छुपा हुआ हो!
जैसे भूसे के खलिहान में सुई!
मेरी तलाश पूरी हुई!

बस, क्रूरपाशा! शिकांगी के परों पर तुम्हारी हद खत्म होती है!
मुझे तुझको मारने के लिए नहीं भेजा गया है! सिर्फ विसर्पी को वापस लाने का आदेश दिया गया है!
विसर्पी को छोड़ दो, और ज़िन्दा चले जाओ!
शिकांगी! मैं जानता हूं तेरी शक्तियों के बारे में! हर वार की काट बना सकने की शक्ति है तुझमें! हर हथियार तुझ पर बेअसर है! पर तू मेरे बारे में नहीं जानता! जानेगा भी कैसे?
क्रूरपाशा ने कभी दुनिया के सामने अपनी क्रूरता दिखाई ही नहीं! हट जा वरना तेरी प्रजाति दुनिया से मिट जाएगी!

क्रूरपाशा का सफर थम गया था-
लेकिन उसकी तरफ बढ़ते हुए ध्रुव का सफर जारी था-
अरे! तू रुक क्यों गया?
विसर्पी की गंध मिलनी बंद हो गई है! अब क्या करूं?
गंध मिलनी बंद हो गई! पर कैसे? तेरे सर्किट खराब हो रहे हैं क्या?
खराब होते तो मैं उन्हें खुद रिपेयर भी कर लेता!
पर एक और इंसानी गंध मिल रही है! गंदी सी!
उसका पीछा करने को मत कहना!
इस जंगल के आसपास तो दूर-दूर तक इंसान नहीं हैं! और उस पर गंदी सी महक! ये महक क्रूरपाशा के अलावा और किसी की हो ही नहीं सकती!
और जहां पर क्रूरपाशा होगा वहां पर विसर्पी भी होगी!
चल! उस महक का पीछा कर!
समय खराब मत कर!
याक्!
पीछा करूं
ओ.के.! ओ.के.!
जल्दी कर!
वर्ना इतनी देर में क्रूरपाशा विसर्पी को लेकर न जाने कितनी दूर...
... निकल जाएगा
आऊऽऽऽ
ये बिल्डिंग कहां से आ गई!

लेकिन ये तो एक नई समस्या पैदा हो गई है! अब मैं पहले इनको बचाऊं या विसर्पी को?
पहले विसर्पी को बचाना ही उचित होगा! क्योंकि उसका असर विश्व-व्यापी है! ये मुसीबत तो इसी क्षेत्र तक सीमित रहेगी!
इससे मैं लौटकर भी निपट सकता हूं!
अरे! अब दूसरी इमारत ने मेरा रास्ता रोक लिया है! यानी ये मुझे आगे नहीं जाने देगी! ठीक है! फिर तो निर्णय हो गया!
पहले ये मुसीबत, फिर विसर्पी! पर ये मुसीबत है क्या?
इन दोनों ने अलग-अलग रास्ते पकड़कर एक नई मुसीबत पैदा कर दी है!
ध्रुव को तो ब्लैक बिल्डर रोक लेगा! शायद मार भी डाले!
अब नागराज के लिए अवरोध खड़ा करना है!

नागराज को समझ में नहीं आ रहा था कि वह सही दिशा में जा रहा है या गलत दिशा में-
अब मेरा बिसर्पी से संपर्क नहीं हो पा रहा है! अब उसकी स्थिति का पता करने के लिए मुझे ऐसे दूसरे सर्पों से संपर्क करना होगा जो इस क्षेत्र में मौजूद हों!
और मुझे ऐसे सर्पों के संकेत मिल भी रहे हैं!
ओफ़! संकेतों के अनुसार तो क्रूरपाशा के यान को दूसरी दिशा में देखा गया है!
और जहां पर उसे देखा गया है उसका शॉर्ट-कट इस एक्सप्रेस टनेल से होकर जाता है!
पर यहां से इन ढेर सारी टनेल्स में से सही टनेल मुझे खुद चुननी होगी!
क्योंकि न जाने क्यों इस टनेल में घुसते ही मुझे सर्पों से संकेत मिलने बंद हो गए हैं!
जल्दी ही तेरी सांसें भी बंद हो जाएंगी, नागराज!

" पर क्रूरपाशा का रास्ता रोककर ये कौन खड़ा हुआ है-"
स्वप्न तो तू देख रहा है क्रूरपाशा! ऐसी मामूली यांत्रिक शक्ति के दम पर शिकांगी को चुनौती देने की मूर्खता तो कोई स्वप्न में ही कर सकता है!
तू 'मुझे' हराने के सपने देख रहा है, शिकांगी!
जबकि तुझे पीटने के लिए तो मेरे यान के 'गादूड़' ही काफी हैं!
देख ले अपनी मूर्खता का परिणाम!
अब अगर अपनी दस गर्दनों में गांठें बंधवाना नहीं चाहता तो विसर्पी को मेरे हवाले कर दे!
नहीं!

अब तुमने मुझे मिले आदेश की सीमा को लांघने पर मजबूर कर दिया है!
देखो और भुगतो शिकांगी की शक्ति को!
ये छोटा सा नेवला है तेरी शक्ति ?
आऽऽऽऽह!
अब यान तेरा होगा पर पंख मेरे!
और ये यान जाएगा बाबा गोरखनाथ के पास!
ये तुझे बांध देगा क्रूरपाश! तेरे चारों तरफ एक अदृश्य बाधा की दीवार खड़ी कर देगा! और इस बाधा को आज तक कोई पार नहीं कर पाया है!
तूने... तूने शिकांगी बांध को तोड़ डाला!
अब तेरी बारी है!

लेकिन उससे पहले ब्रह्मांड की महारानी को इस युद्ध से दूर करना होगा!
ताकि इसके नाजुक शरीर पर खरोंच तक न आए! विसर्पी को मैंने सौ किलोमीटर ऊपर उछाल दिया है!
और उसके नीचे आने पर उसको वही लपकेगा जो...
... जीवित रहेगा!
तूने क्रूरपाशा की हिंसक प्रवृति को जगा दिया है!
विडाल मुंड!
हां! विडाल यानी बड़ी बिल्ली! मेरा हर एक मुंड मेरे अंदर मौजूद प्रबल इच्छाओं का रूप है!
अब पहले मैं गरुड़ यान में लगे परों को काटूंगा...
... और फिर तेरे परों को!
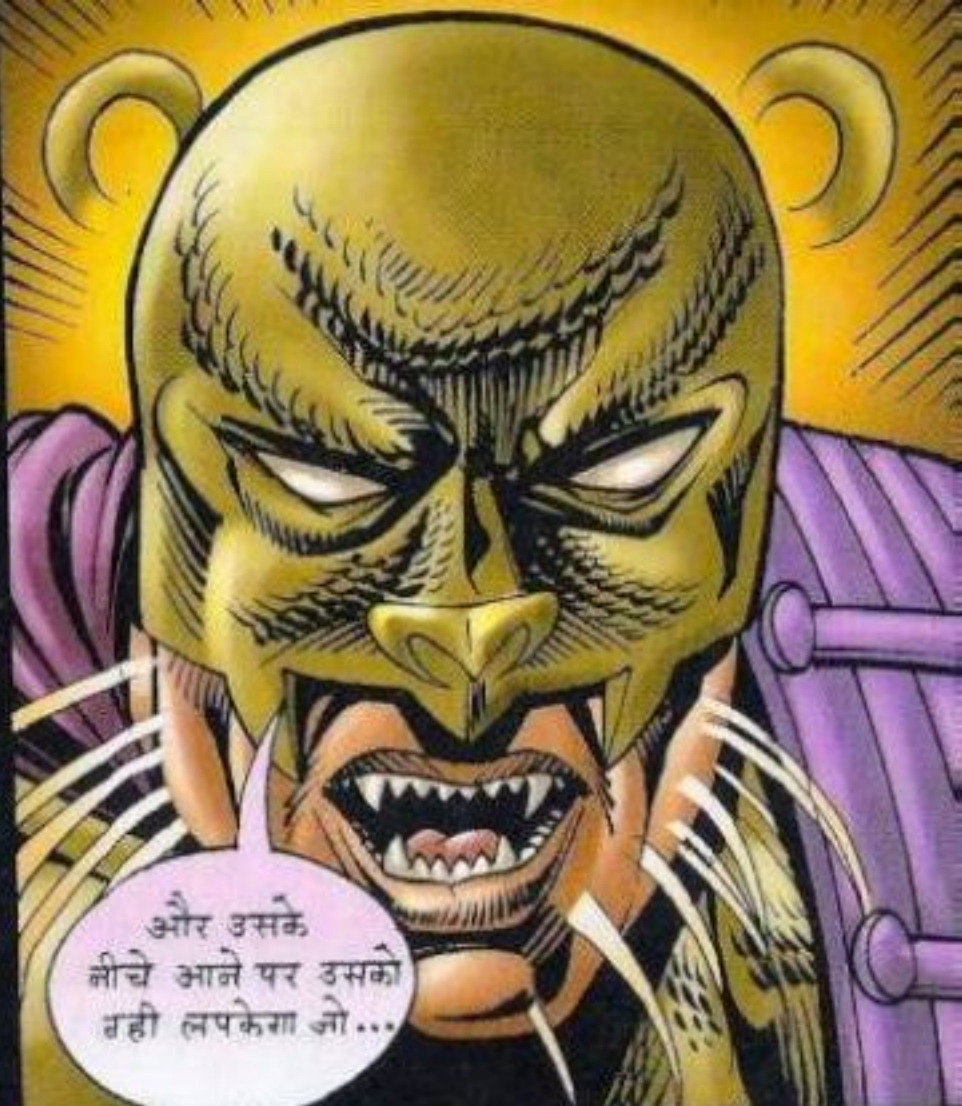
ये रहे गरुड़ यान में तेरे द्वारा लगाए गए पंख!
अब ये यान अपने उसी रास्ते पर जाएगा, जिस पर ये आ रहा था! अलंघ्या की तरफ!
और तू जाएगा परलोक की तरफ!
ब्लैक पॉवर की ऊर्जा से भरे धारदार पंजों ने...
... शिकांगी के शरीर को कई टुकड़ों में विभक्त कर दिया-
ये तो बड़ी जल्दी कट गया! अभी भी विसर्पी को नीचे आने में काफी वक्त है! तब तक तो यहीं रुककर इंतजार करना पड़ेगा!
समय कैसे कटेगा?
मुझे मारने की कोशिश करते रहना, स
कट जाएगा
26

ये कैसा वार है?
मेरा शरीर अकड़ रहा है?
क्योंकि ये शिकांगी का धातुघात बंध है! ये तेरे शरीर की त्वचा को धातु में बदल देगा और तू अपने ही शरीर के अंदर बंधकर रह जाएगा!
ब्लैक एनर्जी!
हीं SSS
ब्लैक एनर्जी ने मेरी त्वचा के मेटल कणों को गला दिया है!

अब तेरी बारी है!
तू फिर से भूल गया, क्रूरपाशा!
शिकांगी के पास हर हथियार की काट है!
लेकिन शिकांगी के वार की काट किसी के पास नहीं है!
मेरे पास है! और तू उसे देख भी चुका है!
पर बहुत हो गया ये चूहे बिल्ली का खेल! तुझ पर हथियार बेअसर है!
इसीलिए अब मैं हथियारों का प्रयोग नहीं करूंगा!

लेकिन वे
एक-दूसरे से जुड़ी
नहीं रहेंगी !

हाथ, हथियार नहीं होते-
शिकांगी को इस बात का एहसास तेजी से हो रहा था-
लेकिन अब इस एहसास का कोई फायदा नहीं था-
क्रूरपाशा के निर्दयी वारों ने उसकी हड्डियों को मथकर उसके खून में घोल दिया था-
शिकांगी खत्म!
अब हमारा रास्ता साफ है, विसर्पी!
महापापी है तू! जब तू मरेगा तो शायद नर्क को भी खाली करा दिया जाएगा!

जैसा भी हूं, अब तेरा हूं, सर्प सुन्दरी!
अब क्रूरपाशा और अलंघ्या के बीच में कुछ था तो सिर्फ दूरी-
वही दूरी ध्रुव और
के बीच में भी थी-
आऽऽऽह!
पता ही नहीं चल रहा है कि ये इमारतें कब और कहां से पैदा हो रही हैं!
लेकिन यह तो तय है...
...कि इनका निशाना मैं ही हूं!
आऽऽऽह!

आऽऽऽ ह!
मुझ पर किसी भी जगह से फिर हमला किया जा सकता है! इसलिए मुझे दुश्मन का पता चलने तक अपनी स्थिति को...
... तेजी से बदलते रहना होगा!
आऊऽऽऽ
अंडरग्राउंड सिटी से बाहर निकले लोग मुझ पर हमला कर रहे हैं! ऐसे अत्याधुनिक हथियारों से जिनको मैंने भी पहले कभी नहीं देखा!
करेक्शन! ये मुझ पर नहीं, मेरे आसपास हमला कर रहे हैं! यानी इनका मकसद मुझे एक खास क्षेत्र के अंदर रखना है!
इसका मतलब कि ये भी मेरे हमलावर से मिले हुए हैं! शायद ये उसी के आदमी हैं!
पर ऐसे हथियार इनके पास कहां से आए? वर्ल्ड लॉ के अनुसार तो ऐसे हथियारों को डेवलप करने पर कभी की पाबंदी लगाई जा चुकी है!
पर ये मुझे यहीं पर रोककर क्यों रखना चाहते हैं?

अरे! अब मैंने इसको पहचाना है!
ये तो सुपर कमांडो ध्रुव है!
ये हमने क्या कर दिया?
अंजाने में ही सही, पर जो भी हुआ, अच्छा हुआ!
हमारी इस हरकत ने ध्रुव का सामना 'ब्लैक-बिल्डर' से करा दिया है!
रोज एक इंसान की बलि लेने वाले ब्लैक बिल्डर से अगर हमको कोई बचा सकता है तो सिर्फ ध्रुव!
'ब्लैक बिल्डर'! ये जरूर इसी शक्ति की बात कर रहे हैं! पर ये शक्ति है क्या? और किस तरह से इंसानों की बलि लेती है?
ओफ़! मेरे चारों तरफ तेजी से बनता गुंबद अब ऊपर से भी बंद हो रहा है! अब ये क्या करेगा?
अगला कदम मौत की तरफ पहला कदम था-
गुंबद ने सिकुड़ना शुरू कर दिया है!
अब जल्दी ही 'ब्लैक बिल्डर' ध्रुव को पीसकर रख देगा!
जिस शक्ति के सामने हमारे ऐसे हथियार भी बेकार साबित हुए जिनमें पहाड़ तक को धूल करने की शक्ति है...
...उसके सामने बेचारा ध्रुव भी क्या करेगा?
मैं और नहीं देख सकती।
अब सोचो कि कल किसकी बारी होगी!

किसी की भी नहीं!
क्योंकि आज बलि लेने की बारी मेरी है!
और बलि चढ़ने की बारी ब्लैक बिल्डर की!
बिल्डिंग्स को तोड़ने से कुछ नहीं होगा, ध्रुव! ये कोशिश हम सैकड़ों बार कर चुके हैं!
ये तो 'ब्लैक बिल्डर' के सिर्फ हथियार हैं!
उसमें मिट्टी से और मिट्टी में मौजूद दूसरे तत्वों से पलक झपकते ही स्काई-स्क्रैपर्स खड़े कर सकने की क्षमता है!
उसकी इस हरकत से जमीन धंसती है और हम अंडरग्राउंड सिटी से बाहर भागने को मजबूर हो जाते हैं!
और ऊपर आकर ब्लैक बिल्डर का भोजन बन जाते हैं!
लेकिन फिर 'ब्लैक बिल्डर' कहां है?
हम ये जान पाते तो उसको मार न देते!
ब्लैक बिल्डर कहां है, यह कोई नहीं जानता! हमारे सॉफिस्टिकेटेड गैजेट भी उसे ढूंढ नहीं पाते हैं!
ये गरज! ब्लैक बिल्डर आ रहा है!
कहां?

ओफ्फ! ऐसा विशाल घूंसा और वह भी इतनी स्पीड से मुझसे पहले किसी ने नहीं खाया होगा!
अगर मेरे शरीर पर दिव्यास्त्रों से भरे दुपट्टे का कवच न होता तो मेरी हड्डियों चूर-चूर हो गई होतीं!
अब ध्रुव का शरीर नीचे गिरने के रास्ते पर चल पड़ा था-
और इस बार उसके पास वायु शक्ति या किसी भी शक्ति को प्रयोग करने का समय ही नहीं बचा था-
पर ध्रुव के मददगार तो हर जगह मौजूद थे-
स्निफर! तुझे तो मैं भूल ही गया था!
थैंक्स!
एहसान तो मानना ही चाहिए! तुमने मुझे उस गंदी महक वाले के पीछे भेजा! लेकिन फिर भी मैंने तुमको बचाया!
उसके पीछे तो अभी भी जाना ही पड़ेगा!
फिर मैंने तुमको बेकार ही बचाया!
चुप रह! मुझे ब्लैक बिल्डर को ढूंढने का रास्ता सोचने दे!
ब्लैक बिल्डर! इसकी महक भी जरूर गंदी ही होगी! इतना गंदा नाम जो है!
महक!

'ब्लैक बिल्डर' चाहे नजरों से नजर न आए, लेकिन हवा में उसकी महक जरूर घुली होगी!
और वह महक इंसानी शरीर की महक से एकदम अलग होगी!
तुझे उसी महक को ढूंढ़ना है, स्निफर!
और उसके बाद उस महक के स्रोत को! यानी 'ब्लैक बिल्डर' की!
जहां पर मैं बदबू से बेहो होकर गिरूं तो लेना कि ब्लैक बिल्डर वहीं है!
स्निफर को महक के स्रोत तक पहुंचने में ज्यादा वक्त नहीं लगा-
...मेरे को तो दे मानव
काफी गर्मी है तुझमें!
या शायद कि ब्लैक बिल्डर को स्निफर तक पहुंचने में-
मुझ पर प्रहार करने से पहले...
बहुत दिनों के बाद आज तड़के वाला खाना मिला है!
ध्रुव का असली मकसद अब कहीं पीछे छूटता नजर आ रहा था-!

संभलो क्रूरपाशा! एक जीव हमको निगलने आ रहा है!
घबराओ मत! ये जीव नहीं है! अलंघ्या तक जाने का रास्ता है! और ये विशाल मुख एक प्रवेश द्वार है! यह अलंघ्या तक जाने के कई रास्तों में से एक है!
अब हम सुरक्षित हैं! हमारा पीछा कोई नहीं कर सकता!
नागराज करेगा! और वह पृथ्वी के दूसरे छोर तक भी तुम्हारा पीछा नहीं छोड़ेगा!
पृथ्वी पर वह जितना चाहे उतना दौड़ सकता है!
पर अलंघ्या उसको नहीं मिलेगी! क्योंकि अलंघ्या इस पृथ्वी पर होते हुए भी इस पृथ्वी पर नहीं है!
ये कैसी पहेली है?
अलंघ्या पृथ्वी पर एक ऐसी जगह है जो एक दूसरे आयाम में स्थित है!
तुमने 'बरमूडा ट्राईंगल' का नाम सुना है?
वर्षों पहले सुना था! वह दक्षिणी अमेरिकी महाद्वीप के पास एक ऐसा स्थान था जहां पर कई जलपोत और वायुयान गायब हो चुके हैं!
वे गायब नहीं होते थे! सिर्फ दूसरे आयाम में चले जाते थे! अलंघ्या भी ऐसी ही एक जगह है!
सिर्फ एक शक्ति वहां तक पहुंच सकती है!
इच्छाधारी नागशक्ति!
लेकिन इसके लिए उनको रास्ते का पता होना चाहिए!
फिर तो तुमको याद रखना चाहिए...

" कि नागराज में भी इच्छाधारी शक्ति है-"
अगर मैं सही समझ रहा हूं तो मैं मुख्य हाइवे कंवेयर बेल्ट से हटकर पहाड़ के अंदर बने किसी 'केव सिस्टम' में आ गया हूं!
पर इस 'केव सिस्टम' को बनाने वाले बुद्धिमान प्राणी लगते हैं। लेकिन वे बुद्धिमान प्राणी हैं कौन और वे इन कंदराओं के अंदर क्यों रहते हैं?
ओह! ये क्या है?
यानी इन कंदराओं में जो भी रहते हैं वे कम से कम शाकाहारी प्राणी तो नहीं हैं!
और मेरी 'सर्प-इंद्रिय' मुझे यह भी बता रही है कि मुझ पर चारों तरफ से नजर रखी जा रही है!
लेकिन मेरा काम इन प्राणियों से उलझना नहीं है! मुझे तो विसर्पी का पता चलने तक आगे बढ़ते रहना है!
अरे! आगे तो रास्ता बंद है!

आऽऽऽह!
मानव जैसा बंदर! तो ये रहते हैं इन कंदराओं में! पर इस साइज के प्राणी को तो खुले में रहना चाहिए!
हम बंदर नहीं...

... यति हैं!
बंदरों के वंशज तो तुम हो!
यति! लेकिन यति तो हिमालयों में रहते हैं! और ये पर्वत-श्रृंखला तो मध्य भारत में है!
कमाल है! मौत सामने खड़ी है और तुझे भूगोल याद आ रहा है!
रुको! मेरी यतियों से कोई दुश्मनी नहीं है!
मुझे फिलहाल और और मैं में हूं
तुमको जहां जाना है...
... मैं तुमको वहीं पर भेज रहा हूं...
... मौत के पास!
ओह! यहां पर तो हजारों की संख्या में यति मौजूद हैं! मुझे अब समझ में आया कि वह एक्सप्रेस हाई-वे सुनसान क्यों थी!
पहले हम उससे आ रहे माल को लूटकर काम चला लेते थे! पर अब तो तुम जैसे मच्छरों से पेट भरना पड़ता है!

मार डालो !
पीस दो मानव को !
इसे चीर डालो !
मारो !
मारो !

नाग! ये तो नागशक्ति धारक है! और नागों से यतियों की पुरानी दुश्मनी है!
अब तो तेरी मौत यमराज भी नहीं टाल सकते!
हम कंदराओं में हैं। और ये घर हैं। इसीलि मैं अपने अस्त्रों प्रयोग यहां पर न करना चाहता! छोड़ दो और आने दो!
यमलोक का रास्ता!
रास्ता तो अब तुमको हम दिखाएंगे!
जो हमारे पेट से होकर जाता है!
आज पहली बार मानव मांस का स्वाद चखने को मिला है!
कुछ ह लिए भी यापति
अरे! यापति का शरीर गल रहा है! यह विष का असर है!
गलती इसी की थी! फिर भी मैं इसे बचा लूंगा!
विषधर! इसका जहर चूस लो!
तू तो खाने योग्य भी नहीं है। धरती पर बोझ है तू!
और इस बोझ को हल्का मैं करूंगा!
शायद ये यतियों के शुक्रिया कहने का तरीका है...

इसीलिए मैं भी यतियों के अंदाज में ही सॉरी कहूंगा!
ईssssss सांपों की बारात!
और भालक का भी इस पर कोई असर नहीं हुआ!
अद्‌भुत नाग- शक्ति धारक है ये!
हमारी दुश्मन ने हमारे भेद लेने पर भेजा होगा! वे भी हमारा पीछा छोड़ना चाहतीं!
हम शांति चाहते थे। इसीलिए हमने हिमालयों को छोड़ दिया! लेकिन इन्होंने इसे हमारी कमजोरी समझा! अब तो इनको यति शक्ति दिखानी ही होगी!
सिर्फ हाथों के इशारे से टनों भारी यंत्र उठा लिया! क्या शक्ति है!
यहां पर अनगिनत यति हैं और मुझे यकीन है कि इन सभी में अलग- अलग तरह की अद्‌भुत शक्तियां होंगी!
अगर ये सभी एक साथ मुझ पर टूट पड़े तो मेरे लिए मुश्किल खड़ी हो जाएगी!
वैसे भी समय कम है!
अरे! विष नीचे बैठ गया!
सर्प शक्तियों से बचने के गुर हमने भी सीख लिए हैं!

लेकिन हमारे गुर समझने में तुम जैसी नागशक्तियों को समय लगेगा!
वो शक्ति गायबाति यति में है! मैं हूं मसकयति!
मच्छर से भी छोटा रूप धारण करने की शक्ति है मुझमें!
काटूंगा जरूर! पर तेरे शरीर को नर्म करने के बाद!
अरे! ये कहां चला गया?
यानी इसमें अदृश्य होने की शक्ति भी है!
मच्छर बनकर मुझे काटेगा क्या?
आऽऽऽह! अविश्वसनीय!
इतना छोटा रूप धारण करने के बाद भी इसका वार इतना शक्तिशाली कैसे है?
मैं जितना छोटा होता जाता हूं मेरा घनत्व उतना ही बढ़ता जाता है! और मेरे वारों में उतनी ही ताकत भरती जाती है!
अब तड़ातिका वार झेल! ये तेरे शरीर के खून के साथ तेरे विष को भी सुखा डालेगा!
नागराज को देखकर दुश्मन का खून सूख जाता है!
नागराज का खून सुखाने की क्षमता तो आसमानी बिजली में नहीं है! लेकिन अब मेरे धैर्य का बांध टूट चुका है!
मुझे दुनिया को बचाना है...

वाह, नागराज वाह!
यतियों की
टुकड़ियां हैं ! तुम्हारे
हो जाएंगे परन्तु
नहीं होंगे !
तुम कौन हो ?
सही समझे !
इस दुनिया पर ब्लैक पॉवर्स का साया बहुत तेजी से फैल रहा है! और उनके कहर से यति भी नहीं बचेंगे ! मैं उनको ही रोकने आ रहा हूं !
यहां सभी मुझे
यति कहते हैं ! और मेरा
इनके लिए ईश्वर के आदेश
भी बढ़कर है !
यानी तुम इन यतियों की रानी हो !
अब तुम भी जितनी जल्दी समझ जाओ उतना ही अच्छा है!
इसीलिए तुम्हारी भलाई इसी में है कि तुम मुझे आने दो !

जाने देंगे! पर अब तुम जा नहीं पाओगे!
मैं कुछ समझा नहीं!
समझ जाओगे! आओ मेरे साथ!
हम पहले हिमालय की बर्फीली गुफाओं में रहते थे! परन्तु हमारे साथ वहां पर एक और प्रजाति भी थी! शीत नागों की!
पर इंसानों की मेहरबानी से पैदा हुई ग्लोबल वार्मिंग के कारण हिमालय पर बर्फीले स्थानों की संख्या घटती जा रही थी और हम दोनों प्रजातियां ही रहने के नए-नए बर्फीले ठिकाने तलाश रही थीं! और इस कारण हमारी मुठभेड़ भी होने लगी थी!
उनका विष हमारे लिए घातक था और हमारी यति शक्तियां उनके लिए!
मुकाबला बराबरी का था!
पर तभी शीतनागों ने एक नापाक चाल चली! उन्होंने अपने इलाके में स्थित हलाहल के विषकुंड का बांध तोड़ दिया!
हिमालय की बर्फ में विष घुलने लगा!
और हमारे चारों तरफ का वातावरण विषैला हो गया! अब हमारे सामने एक ही रास्ता बचा था! शीतनागों के समूल विनाश का!
पर उससे भी समस्या दूर नहीं होती और दोनों प्रजातियों के कई प्राणी मारे जाते!
इसीलिए हमने खुद ही हिमालय छोड़ दिया और मध्य भारत में स्थित इन पर्वतों पर चले आए! और इन कंदराओं को अपना घर बना लिया!
आश्चर्य! यहां पर तो हिमालय जैसा वातावरण है!
आगे सुनो! इन पर्वत के वनों में कंदमूल काफी थे! हमारा गुजारा आराम से हो रहा था! पर पिछले कुछ दिनों से हमको एक्सप्रेस हाई-वे पर आ रहे सामान को लूटना पड़ा! मांसाहारी बनना पड़ा! पर अब तो लूट के कारण वह एक्सप्रेस वे भी बंद हो गया है! अब हम भूखे मर रहे हैं! जो मिले उसी को खाने के लिए दौड़ते हैं!
पर तुमने पर्वत-वनों में मौजूद फलों को खाना क्यों छोड़ दिया?
क्योंकि वे फल काले हो चुके हैं! और ऐसा किया है उन वनों में मौजूद एक ब्लैक पॉवर ने!
इसीलिए यहां से कोई बाहर नहीं जा सकता! तुम भी नहीं! क्योंकि यहां से जाने का रास्ता पर्वत-वनों से होकर जाता है! और उस रास्ते पर ब्लैक पॉवर का पहरा है!

नागराज को तो आगे
है! क्योंकि ये सवाल
की ही जान का नहीं...
...दुनिया की जान का भी है!
तुम जिन्दा नहीं बचोगे!
वह ब्लैक पॉवर जिन्दा नहीं बचेगी!
अगर तुम ऐसा कर सके तो हमारे रक्षक बन जाओगे!
एक मिनट नागराज!
शीतनाग!
पता नहीं हम यहां पर वापस आएं या नहीं! पर जाने से पहले मुझे रानी यति की गलतफहमी दूर करनी है!
शीतनाग! यहां पर!
मार डालो इसे!
ये षड्यंत्र है! शीतनागों को यहां पर घुसाने का षड्यंत्र!
ये यहां से जिन्दा वापस नहीं जाएगा!
ठहरो! शांत रहो!
बोलो शीतनाग! किस गलतफहमी की बात कर रहे थे तुम!
वह बांध तोड़ा जरूर गया था, पर हमारे द्वारा नहीं! एक यति ने उसको तोड़ा था!
यह सोचकर कि हलाहल कुंड नष्ट होने से हम भी नष्ट हो जाएंगे! उसने सही सोचा था।
वह तो विष से गल गया और हमारी शक्तियां क्षीण हो गईं!
पर साथ ही साथ वह हिमालय को भी विषैला कर गया और तुमको बेघर!

तू झूठ बोल रहा है! ये नहीं हो सकता! यतियों को ऐसा कोई आदेश नहीं दिया गया था। और बगैर आदेश लिये यति ऐसा काम कर ही नहीं सकते!
अगर ये सच है तो बता कौन था वह यति?
जिंगालू! वह यति जिंगालू था! तुम्हारा पति और यतियों का राजा!
और उसको किसी से आदेश लेने की आवश्यकता नहीं थी!
जिंगालू! जिंगालू मर चुके हैं?
हे नाथ! अब समझ में आया कि, एकाएक गायब क्यों उदास थे!
ये झूठ बोल रहा है! हमारे राजा को बदनाम करने की चाल चल रहा है!
नहीं! ये सच कह रहा है। गलती हमारी ही थी। भला शीतनाग अपनी शक्ति के केन्द्र हलाहल कुंड को स्वयं नष्ट क्यों करते?
हम शर्मिन्दा हैं!
अब हमको शीतनागों से कोई गिला नहीं है! हमको तो अपने किए की सजा मिल ही चुकी है!
हमें शर्मिन्दा न करें रानी यति!
पर हम शीतनागों से उनके उजड़ने के लिए माफी मांगते हैं!
अब हमें इजाजत दो रानी यति!
चलो! यह तो साबित हो गया कि हर बुराई में अच्छाई छुपी होती है! हमारे यहां आने से यतियों और शीतनागों की दुश्मनी समाप्त हो गई!
अभी एक और चीज समाप्त होगी शीतनाग कुमार! वन में मौजूद ब्लैक पॉवर!

आऽऽऽह!
अब मैं तेरा खेल खत्म करूंगा!
कांच की तेज धार तुझे तार-तार कर देगी!
नहीं छू पाई न अब मैं तुझे छूता हूं!
इस तरह!
तू!
अरे! ये तो पीछे से पैदा हो गया!
अब बता! कौन नष्ट हुआ? तू या मैं?
ब्लैक बिल्डर ब्लैक एनर्जी का बना है!
और एनर्जी को न तो तू देख सकता है और न ही नष्ट कर सकता है!

अब तेरे पांव कब्र में लटक चुके हैं!
कमी है तो सिर्फ...
...एक समाधि की!
सुपर कमांडो ध्रुव की समाधि!
हजारों टन का मलबा ध्रुव के ऊपर एकाएक आ गिरा था-
या शायद उस सुरंग के मुहाने के ऊपर-
जिसको खोदकर ध्रुव इस वार से बच भी गया था और सही सलामत बाहर निकल भी आया था-
थैंक गॉड कि तुम बच गए!
ब्लैक बिल्डर को खत्म करने की कोशिश छोड़ दो और अंडरग्राउंड सिटी में चलो!
बाद में मौका पाकर चुपचाप निकल लेना!
ये मेरी आदत नहीं है! मैं मौका लेता नहीं, देता हूं! वैसे भी मुझे शक है कि ब्लैक बिल्डर मेरी तरफ से एक पल के लिए भी बेखबर होगा! इसको खासतौर से मुझे मारने का आदेश दिया गया है!
ब्लैक एनर्जी को खत्म कैसे करोगे?
वैसे भी वार करने के लिए पहले ब्लैक बिल्डर को ढूंढ़ना होगा। उसे ढूंढ़ोगे कैसे?
लेकिन उससे पहले मुझे इसको खत्म कर देना है!
ब्लैक बिल्डर का शरीर एनर्जी का है!
और एनर्जी को...

एनर्जी ढूंढेगी!
घाऊ, ऽऽऽऽ
जमीन तो गर्म तवा बन गई है!
नोवा एनर्जी सह सकने की क्षमता ब्लैक विल्डर में भी नहीं थी–
कमाल है! ऐसा वार करने लायक क्षमता तो हममें भी थी!
पर उस क्षमता का सही तरीके से प्रयोग करने लायक दिमाग नहीं था!

कमाल है ध्रुव।
जिस आफत ने हमको सालों से परेशान कर रखा था उसे तुमने ऐसे खत्म कर दिया जैसे वह कोई खतरा था ही नहीं!
पर आप लोग हैं कौन? और ऐसे अत्याधुनिक हथियार आपके पास कैसे आए? ये हथियार तो लेटेस्ट डेवलप किए हुए लग रहे हैं! और ऐसे हथियारों के डेवलपमेंट पर तो विश्वव्यापी बैन लगा है!
ये सिटी पहले एक आर्मी सिटी थी! यहां पर हथियार बनाने वाले वैज्ञानिक भी रहते थे और उनका इस्तेमाल करने वाले सैनिक भी! पर सभी राष्ट्रों में विश्वव्यापी संधि होने के बाद सेना भी बेकार हो गई और वैज्ञानिक भी!
यानी आप लोग!
सही समझे! हमको पैसे जरूर मिलते रहे पर हमारा दिमाग बेकार हो गया! हम वैज्ञानिक कल्पनाशील होते हैं! और कल्पना को मारा नहीं जा सकता!
हम अपने शौक के लिए 'घातक और महाघातक हथियारों' का आविष्कार करते रहे और जल्दी ही उनकी जरूरत पड़ गई! ब्लैक बिल्डर नाम का खतरा हम पर मंडराने लगा था!
आगे की कहानी तो तुम जानते ही हो! पर तुम यहां से होते हुए कहां जा रहे हो?
ब्लैक पॉवर्स के शहंशाह क्रूरपाशा ने नागशक्तियों की रानी विसर्पी का हरण करके पूरी मानवता को खुली चुनौती दी है! अगर विसर्पी को क्रूरपाशा से न बचाया गया तो पूरे विश्व में ऐसा युद्ध छिड़ेगा जिसके सामने विश्वयुद्ध जैसी घटनाएं बच्चों के झगड़े लगेंगी!
मैं विसर्पी को बचाने और इस महायुद्ध को टालने के लिए जा रहा हूं!
पर आप लोग...?
तुमने हमको बचाया है! हम विसर्पी को बचाने में तुम्हारी मदद करेंगे!
एक से भले दो ध्रुव!
और दो से भले दो हजार!
मेरे हाथ में तो युद्ध का नाम सुनते ही खुजली होने लगती है!

आप लोग शायद
...की गंभीरता को समझ
नहीं रहे हैं। हमारा मुकाबला किसी
...से नहीं ब्लैक पॉवर्स की
...से होगा! जब एक ब्लैक पॉवर
से आप लोग नहीं निपट पाए तो
भला उनकी सेना से कैसे
निपटेंगे?
निपट लेंगे!
हथियार हमारे रहेंगे पर दिमाग तुम्हारा होगा! और इस कॉम्बीनेशन के सामने ब्लैक तो क्या लाल, पीली, नीली, सफेद, कोई भी पॉवर नहीं ठहर सकती!
पर मैं आप लोगों की जान खतरे में कैसे डाल सकता हूं!
हम सैनिक हैं ध्रुव! और हमारा काम ही दुष्टों से अपनी धरती की रक्षा करना है! ब्लैक पॉवर को नष्ट करना सिर्फ तुम्हारा ही नहीं हमारा भी फर्ज है!
आपने तो मुझे निरुत्तर कर दिया! अब भला मैं क्या कह सकता हूं!
क्रूरपाशा और उसकी ब्लैक पॉवर्स के खिलाफ मुहिम की शुरुआत हो चुकी थी-
वैसे भी मुझे लगता है कि अब हमको विसर्पी को आजाद कराने के लिए क्रूरपाशा के गढ़ पर धावा बोलना पड़ेगा!
और उसके लिए मुझे मदद-गारों की जरूरत पड़ेगी!
और मानव सेना इस युद्ध में अपनी भूमिका निभाने के लिए कदम बढ़ा चुकी थी-

चतुर्थ अध्याय
मिशन अलंघ्या
लेकिन इस युद्ध में अभी एक और महाशक्ति कूदने वाली थी-
बस, ये स्पष्ट नहीं हो पा रहा था कि वह किस पक्ष का साथ देगी-
ओफ़! नागराज अपनी पत्नी की रक्षा नहीं कर पाया! क्या इसी दिन के लिए नागद्वीप ने अपनी राजकुमारी का हाथ उसके हाथों में सौंपा था!
ये क्या कह रहे हो तुम?
नागराज के रहते क्रूरपाशा, दीदी का हरण करके ले गया!
हाँ, नागकुमार विषांक! ये सब हमारी आंखों के सामने हुआ!
जो पति अपनी पत्नी की रक्षा नहीं कर सकता उसको पति कहलवाने का कोई हक नहीं है!
पूरी दुनिया में फैले सभी इच्छाधारी नागों का संदेश भिजवा दो, अमात्य!
आज से नागराज का नागजाति से उस समय तक कोई संबंध नहीं रहेगा जब तक वह स्वयं दीदी को क्रूरपाशा के चंगुल से स्वतंत्र नहीं करा देता!
और तब तक हम मानव जाति की भी सीधे तौर पर रक्षा नहीं करेंगे! क्योंकि नागराज के साथ-साथ हमारा मानवों से भी संबंध टूट गया है!
हमको नागराज की सफाई सुनने की कोई आवश्यकता नहीं है!
पर कुमार, क्या ये उचित नहीं होगा कि पहले हम नागराज से इस संबंध में बात करें! ताकि हमको उसका पक्ष भी पता चल सके!
हम तो बस ये जानते हैं कि नागों ने दीदी की रक्षा का भार नागराज के हाथों में दिया था और वह असफल रहा!
हम विसर्पी को ढूंढने में नागराज की मदद भी तो कर सकते हैं!
क्या नागराज के विसर्पी को ढूंढने तक हम हाथ पर हाथ धरे बैठे रहेंगे?
हम हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठे रहेंगे अमात्य!
स्त्री सिर्फ पत्नी ही नहीं बहन भी होती है! और बहन की रक्षा के लिए भाई जरूर जाएगा!
नागसेना को तैयार रहने का आदेश दें! हम खुद दीदी की खोज में निकलेंगे!

आप कुमारी विसर्पी को ढूंढने कहां जाएंगे? किस दिशा में जाएंगे? किस स्थान पर उनको ढूंढेंगे?
वह रास्ता हमको दीदी का प्रतिरूप दिखाएगा इसका सीधा संपर्क दीदी से है! वे इस वक्त जहां पर भी होंगी, उसका पता और रास्ता हमको मिल जाएगा।
और हमारे पीछे से मूलक्षेत्र का संचालन भी यह प्रतिरूप ही करेगा!
बताओ प्रतिरूप! हमको किस दिशा में जाना चाहिए?
तूने झूठ क्यों बोला कि कुमारी विसर्पी का हरण नागराज के सामने हुआ है!
झूठ न बोलता तो न तुम्हारा सिर कंधों पर रहता और न ही मेरा सिर!
याद नहीं क्रूरपाशा को देखकर तू झाड़ियों में कैसे दुबक गया था!
मैं तो झाड़ियों में ही दुबका था! तू तो पेड़ पर चढ़ गया था!
ठीक है, ठीक है! पर अगर मैं नागराज के वहां होने की बात न कहता तो कुमार विषांक यही पूछते कि कुमारी की रक्षा हमने क्यों नहीं की?
बता फिर हम मरते या नहीं?
एक दूसरी महासेना अलंघ्या के रास्ते पर चल चुकी थी। और इस सेना में अलंघ्या में घुसने की क्षमता भी थी और वहां पहुंचने के रास्ते का ज्ञान भी-
क्रूरपाशा के लिए मुश्किलें बढ़ती ही जा रही थीं-
तुमको पूरा यकीन है कि इसी स्थान पर उन ब्लैक पॉवर्स का गुप्त केन्द्र है जिन्होंने हमारी नाक में दम कर रखा है?
हां, सर! पृथ्वी का सिर्फ यही एक ऐसा इलाका है जिसकी तस्वीरें हमारी हाई रिजोल्यूशन सेटेलाइट्स भी नहीं खींच पाई हैं! ये स्थान मैग्नेटिक वेव से घिरा हुआ है!

ठीक है! मुझे तुम्हारे जजमेंट पर पूरा भरोसा है! इस एरिया के आसपास मौजूद हमारी सभी न्यूक्लियर पॉवर्ड बैटेल शिप्स को इस स्थान की ओर रवाना होने का आदेश दो!
और उनको एक इंस्ट्रक्शन एकदम स्पष्ट रूप से दे देना!
शूट एट साइट!
इससे पहले, कि ब्लैक पॉवर्स पृथ्वी और मानवों को बरबाद करें, इस क्षेत्र को समुद्र में मिला दो!
एक और महाशक्तिशाली सेना अलंघ्या की तरफ कूच कर चुकी थी-
लेकिन इससे बेखबर अलंघ्या में जश्न का माहौल था-
कमाल है! अलंघ्या में तो आबादी है। ये हजारों पॉवर्स इतने दिनों तक कहां रही थीं?
ये शक्तियां सदियों से पृथ्वी पर मौजूद अलंघ्या जैसे कई गुप्त स्थानों पर अर्धमृत अवस्था में थीं!
अपने किसी नायक के इंतजार में! और जब इनका नायक यानी तुम्हारा सेवक क्रूरपाश इनका नेतृत्व करने को आया तो सिर्फ अलंघ्या ही नहीं, पृथ्वी के कई और स्थानों पर मौजूद सुप्त ब्लैक पॉवर्स जाग उठीं!
वैसे कुछ मानव भी ब्लैक पॉवर्स में बदल चुके हैं! कुछ अपनी मर्जी से और कुछ हमारी मर्जी से!

ब्रह्मांड सम्राट का आदेश था तो महल कैसे न बनता? आपके आदेश के अनुसार माया महल बनकर तैयार है!
तुम्हारे आत्मविश्वास की तरह तुम्हारा महल भी झूठा है क्रूरपाशा! तुम्हारे आने वाले विनाश की सोच-सोचकर तुम्हारा दिमाग खराब हो गया है!
मुझे तो दूर-दूर तक महल तो क्या, एक दीवार तक नज़र नहीं आ रही है!
ये महल तुम्हारे चारों तरफ है विसर्पी! तुम जहाँ पर पैर रख दोगी, तुम्हारे चारों तरफ ये महल तैयार हो जाएगा!
बस ये महल न तो किसी को नज़र आएगा और न ही इसमें मौजूद विसर्पी!
लोग बगैर इससे टकराए इसके आर-पार होकर निकल जाएंगे और उनको किसी स्पर्श तक का एहसास नहीं होगा!
ये क्रूरपाशा ने क्या कर डाला? लोग मुसीबतों से दूर भागते हैं और ये मुसीबत को उठाकर ले आया!
मैं खुद चाहती थी कि विसर्पी अलंध्या में आए! पर अपनी इच्छा से! हरण होकर नहीं!
इस महल में कोई आ-जा सकेगा तो सिर्फ क्रूरपाशा! अब देखते हैं कि नागराज तुम्हें कैसे पाता है!
काश मैं क्रूरपाशा को रोक सकता!
पर मेरे पास तो उसके सामने खड़ा हो सकने लायक शक्ति भी नहीं है!

क्योंकि तुमने कभी अपनी क्षमता को समझा ही नहीं, भीरूपाशा! जितनी ब्लैक पॉवर क्रूरपाशा में है, उतनी ही तुम्हारे अंदर भी है!
तुम भी क्रूरपाशा जैसे शक्तिशाली बन सकते हो! और फिर जो तुम कहोगे वह क्रूरपाशा को मानना होगा!
असंभव! क्रूरपाशा के पास सेना है! ब्लैक पॉवर्स की पूजा करने वालों का भगवान है वह! मेरे पास क्या है? कुछ नहीं!
तुम्हारे पास भी सेना हो सकती है! तुम्हारे भी भक्त हो सकते हैं! बस तुमको सही सलाह की जरूरत है!
तुम बनोगी मेरी सलाहकार?
मुझे शांति के लिए शक्ति पाने का रास्ता दिखाओगी?
जरूर दिखाऊंगी! क्योंकि अब अलंध्या को सिर्फ तुम ही बचा सकते हो!
और मुझे भी!
और अगर मैंने अलंध्या छोड़ दिया तो ब्रह्मांड पर राज करने का मेरा सपना अधूरा रह जाएगा! तेरी मदद तो करनी ही होगी, भीरूपाशा!
" और उसके लिए मुझे अपने उस मोहरे को आगे बढ़ाना होगा, जिसको मैंने अभी तक बचाकर रखा था-
मैं रानी नगीना का संदेश लाया हूं!
ग्रैंडमास्टर रोबो!
58

आप खुद ही सुन लीजिए!
रोबो! वह समय आ गया है जिसका हम कब से इंतजार कर रहे थे!
नागशक्ति ने नागराज को छोड़ दिया है! मुझे अभी-अभी ये सूचना मिली है! उन्होंने मानवों की मदद का इरादा भी छोड़ दिया है!
बस! यही वो खबर है जिसको सुनाने के लिए तुमने इस नाग को मेरे पास भेज दिया?
नहीं! इससे भी बड़ी एक खबर और है! नागशक्ति, ब्लैक पॉवर से भिड़ने के लिए मूलक्षेत्र से निकल चुकी है! महायुद्ध होगा!
इस युद्ध से कोई एक शक्ति मिट जाएगी और दूसरी कमजोर हो जाएगी!
और दुनिया को हमारे राज के लिए खाली कर जाएगी!
यानी अब मुझे अपने उन आदमियों को अगला कदम उठाने का आदेश दे देना चाहिए जो अंडरग्राउंड सिटीज़ में इंतजार कर रहे हैं!
बिल्कुल!
अब दुनिया हमारी होगी! आधी मेरी, आधी तुम्हारी!

दुनिया का बंटवारा हो चुका था-
बस इंतजार था तो अलंध्या पर नागशक्ति के हमले का और एक अकल्पनीय महायुद्ध का-
लेकिन ये युद्ध तभी संभव था जब अलंध्या का वजूद कायम रह पाता-
हमारी न्यूक्लियर फ्लीट मैग्नेटिक नेट में प्रवेश कर चुकी है, सर! आधे घंटे में हम इस स्थान के केन्द्र तक पहुंच जाएंगे!
और उसके बाद पांच मिनट के अंदर यहां पर जो कुछ भी है उसका नामोनिशान मिट... टर्रर्रर... टींईईईई... किर्रर्रर... सूंssss
ये क्या हो रहा है?
मैग्नेटिक डिस्टर्बेंस है! कोई खास बात नहीं है सर!
हमारी फ्लीट में ऐसे कम्युनिकेटिंग यंत्र लगे हैं जो किसी भी तरह के डिस्टर्बेंस या जैमर से बंद नहीं हो सकते!
जल्दी ही इनसे हमारा संपर्क फिर स्थापित हो जाएगा!
सॉरी सर!
हमारा संपर्क स्थापित नहीं हो पा रहा है!
ओफ्! जनरल रोजर को भी इसी वक्त छुट्टी पर जाना था!
जनरल रोजर वास्तव में मानवों के बीच में रहने वाले एक इच्छाधारी सांप थे और उनको मानवों से सीधा संपर्क तोड़ने का आदेश मिल चुका था-
सर! सर!
पर ये तो मानव जाति के ऊपर टूटने वाले महाप्रलय की एक झलक भर थी-
क्या हुआ माइकल! इतने घबराए क्यों हो?
म... मैं बता नहीं सकता! बा... बाहर आइए सर!
तुरन्त आइए!
आखिर हुआ क्या है?
ओ माई गॉड!

ये तो उसी न्यूक्लियर फ्लीट का स्पयरक्राफ्ट कैरियर मैमॉथ है! उस फ्लीट का सबसे बड़ा जहाज। ये... ये तो यहां से हजारों किलोमीटर दूर था!
फिर ये यहां कैसे आ गया? वह भी पलभर में!
इससे भी बड़ी बात यह है कि ये स्पयरक्राफ्ट कैरियर है!
स्पयर क्राफ्ट नहीं! फिर ये हवा में कैसे लटका है!
ब्लैक पॉवर्स! ये ब्लैक पॉवर्स का काम है!
पर वे चाहते क्या हैं?

इसका कारण हम तुमको बताते हैं, कीड़ो!
ओऽऽऽ ह!
घबराइए मत सर!
ये सिर्फ एक जायंट स्पेस प्रोजेक्शन है!
पर... पर ये है कौन?
और चाहता क्या है?
मैं तुम्हारा भाग्य-विधाता हूं! तुम्हारे जीने-मरने का फैसला अब मेरे हाथों में है। और मैं तुमको कुछ दिखाना चाहता हूं! देखो!
अब मैं इसको और थामे नहीं रख सकता!
ये तो हमारे फ्लीट की फ्युजन पॉवर्ड सबमेरीन है!
कभी ये पानी में सतह से दस किलोमीटर नीचे चलती थी! अब हवा में दस किलोमीटर ऊपर टंगी है! तुम्हारी ओवरग्राउंड सिटी 62 A.C. के ऊपर! ठीक वैसे ही जैसे मैसाँथ तुम्हारे सिर के दस किलोमीटर ऊपर टंगा है! अब ध्यान से देखो... मैं इस सबमेरीन को टांगे-टांगे थक गया हूं!
ओह गॉड! सबमेरीन सिटी के ऊपर गिर रही है!
नर्क की कसम, ऐसा नजारा तो नर्क वासियों ने कभी नहीं देखा होगा!
कमीने! तूने धमकी देने के नाम पर हजारों लोगों की जानें ले लीं!
हजारों नहीं...
...सिर्फ एक!
और वह भी तेरी! ब्रह्मांड सम्राट से बदजबानी करने के लिए!

ध्यान से सुनो, विश्वाध्यक्ष! 63A के वासियों को तो मैंने इतना वक्त दे दिया था कि वे नगर खाली करके जा सकें! पर ये वक्त मैं उन 76 नगरों के वासियों को नहीं दूंगा, जिनके ऊपर तुम्हारी फ्लीट की अलग- अलग शिपें मौत की तलवार की तरह लटक रही हैं!
मैं तुम्हारी शक्ति चाहता हूं। तुम्हारी जानें नहीं! इसीलिए मैं तुमको सोचने के लिए पांच मिनटों की मोहलत देता हूं!...
... शासन की बागडोर ब्लैक पॉवर्स के हाथों में सौंपकर हट जाओ और जिन्दा रहो! वर्ना ऐसा नजारा दिखाऊंगा कि महाप्रलय का दिल भी कांप उठेगा!
ऐसा ही एक निर्णय द्वितिय विश्वयुद्ध में जापान को भी तब लेना पड़ा था जब अमेरिका ने उसके दो शहरों पर परमाणु प्रहार किया था!
और अपने नागरिकों की जान बचाने के लिए जापान ने उस समय जो निर्णय लिया था, वही निर्णय आज मैं भी लेने जा रहा हूं!
हम सत्ता का समर्पण करते हैं!
शाबाश! अक्लमंदी दिखाई तुमने! पर हमसे धोखा करने का सपने में भी इरादा मत लाना!
क्योंकि मौत की ये शिप्स सतह पर रहने वाली आबादी के सिरों पर तब तक लटकती रहेंगी, जब तक हमारा मकसद पूरा नहीं होता!
और आपका मकसद क्या है?
इस विश्व से हमारे सबसे बड़े दुश्मन का खात्मा!
और वह दुश्मन कौन है?
नागराज!
वह इस वक्त मध्य भारत के अरावली पर्वतों में है! अपनी सबसे अत्याधुनिक सेनाओं को वहां पर कूच करने का आदेश दो! हमको नागराज चाहिए!
मुर्दा!
और सिर्फ मुर्दा!

तू पैदाई महा कमीना है! तू जानता है कि तेरी भेजी ब्लैक पॉवर्स को नागराज मिट्टी में मिला देगा! इसीलिए तू नागराज पर उसके अपनों से वार करवाना चाह रहा है!
तू जानता है कि नागराज विश्व सेना पर वार नहीं करेगा!
और मारा जाएगा!
देखो नागसुंदरी! हम कानूनी रूप से तुमसे शादी करना चाहते हैं! पर यह तभी संभव है जब तुम विधवा हो जाओ!
अब तलाक-वलाक के चक्कर में कौन पड़े!
सतह की आबादी ब्लैक सेल होने पर विवश हो गई थी-
अब पेश है नए विदगारा यक्ष की तरफ से एक विश्व संदेश...
सुनो, मानव लोक के कीड़ो!
और अब बारी अंडरग्राउंड सिटीज की थी-
अंडरग्राउंड सिटीज तक अभी ब्लैक पॉवर्स की पहुंच नहीं है!
लेकिन यह जल्दी ही हो जाएगी! हमको उससे पहले ही सारी अंडरग्राउंड सिटीज पर कब्जा कर लेना है! ताकि जब ब्लैक पॉवर्स पृथ्वी पर राज करें तब हम उनके भागीदार बन सकें!
और इस अभियान की शुरुआत पृथ्वी की दो सबसे बड़ी अंडरग्राउंड सिटीज महानगर और राजनगर से होगी!
पर हम सिटीज को कब्जे में लेंगे कैसे?
हमारे पास ब्लैक पॉवर्स जैसी शक्तियाँ तो हैं नहीं!
इसे देखो! जानते हो? महानगर के छोर पर ये क्या है?
नदी है! लेकिन अब तो पूरी दुनिया की तमाम नदियों को कवर्ड कर दिया गया है! ताकि धूप से या हवा से कीमती पानी उड़ न सके! इनमें तो बाढ़ भी नहीं लाई जा सकती है!
लाई जा सकती है!

देख! ये महानगर की वह जगह है, जहां से नदी के पानी को बिजली बनाने के लिए और पीने के लिए महानगर में लाया जाता है!
इसके पच्चीस गेट हैं, और जिनमें से सिर्फ तीन गेट्स का प्रयोग किया जाता है!
सोचो! अगर ये सारे गेट खुल जायें तो क्या होगा!
महानगर डूब जाएगा!
एक्जेक्टली! और महानगर वाले डूबना नहीं चाहेंगे!
पर राजनगर का क्या होगा? उसके पास कोई नदी तो है नहीं!
हवा तो है न? एक को पानी मारेगा और दूसरे को हवा!
ये वो एयर पंपिंग कॉम्प्लेक्स है जो अंडरग्राउंड राजनगर में हवा का संचार बनाए रखता है! और इस वक्त ये हमारे आदमियों के कब्जे में है!
महानगर और राजनगर में मौजूद हमारे आदमी सिर्फ हमारे इशारे का इंतजार कर रहे हैं!
और वह इशारा उनको हम देंगे! तुम लोग यहीं से पूरे ऑपरेशन संचालित करोगे!
और दोनों शहरों की प्रलय तभी रुकेगी जब वहां का प्रशासन हमारे आगे घुटने टेक देगा! बिना लड़े हम जीत जाएंगे!
ऑपरेशन महानगर का संचालन मैं करूंगा, रैंडमास्टर!
और ऑपरेशन राजनगर का मैं!
और तुम दोनों का ऑपरेशन...

मैं करूंगी!
नताशा! ये क्या बदतमीजी है!
बदतमीजी तो तब होगी जब मुझे आप पर भी गोली चलानी पड़ेगी!
मुझ पर गोली?
अब मैं समझा! तुम यही करने के लिए यहां पर आई थी!
क्योंकि मुझे अनाथ होना बिलकुल पसंद नहीं है!
अपने आदमियों को वाटर और स्पयर प्लांट तुरंत छोड़ देने का आदेश दीजिए पापा!
तब तो रिश्ते ताक पर रखने ही पड़ेंगे!
शायद कोई नया आदमी रखा है आपने! क्योंकि आपके पुराने आदमी तो कमांडर नताशा के सामने ठहर नहीं सकते!
जलज!
मैं इस मौके का बरसों
से इंतज़ार कर रहा था, नताशा!
मैं भी आपकी ही बेटी हूं! काम पहले रिश्ते बाद में!
जलज!

आदेश दें ग्रैंडमास्टर!
ये... ये तो बच्चा है!
ये बच्चा मुझे रोकेगा? अब आप अपने आतंकवाद में छोटे बच्चों को भी शामिल करने लगे!
कितना मासूम लग रहा है ये बच्चा! मुझे तो इसको देखकर ऋषि की याद आ रही है!
फिर जलज तो मेरे बेटे जैसा है।
मजबूरी है!
बड़े बात जो नहीं मानते!
इतना बड़ा तो मेरा बेटा है!
आप जानते हैं कि मैं बच्चों पर वार नहीं कर सकती!
आप भी मेरी मां जैसी हैं!
पर क्या करूं? आदेश मानना मेरी मजबूरी है!
ओ गॉड! आई कांट बिलिव इट!
शैतान बच्चे!
तुझ पर वार तो नहीं कर सकती...
...लेकिन तुझको सुधारने के लिए सबक तो सिखाना ही पड़ेगा!
इतनी फुर्ती!
तेरी तो...
कि उसका मुकाबला एक बच्चे से था-
पर वह जितना भूलने की कोशिश कर रही थी-
यह बात उसके दिमाग में और बैठती जा रही थी-

च च च! जानती हो इस बच्चे की उम्र? सिर्फ पांच साल!
और ये हमारे यहां बर्तन धोता है।
ये अजूबा... हूह... आप कहां से पकड़ लाए पापा?
अपने दुश्मन को कभी जिन्दा न छोड़ने का उसूल!
तुम्हारे साथ मुझे बार-बार अपना उसूल तोड़ना पड़ रहा है!
आज से तुम अपने कमरे में नजरबंद रहोगी, नताशा!
और याद रखना!
तुम्हारी कोई भी गलत हरकत ऋषि के लिए महंगी पड़ सकती है!
जलज ने आज तक किसी बच्चे की हड्डियां नहीं तोड़ी हैं!
पर ऐसा करने की ज़िद हमेशा करता रहता है!
मुझे इसकी ज़िद पूरी करने का मौका मत देना!

पंचम अध्याय
ब्लैक नागराज
इस जंगल की सारी हरियाली, काली पड़ चुकी है! ऐसा जंगल तो मैंने पहले कभी नहीं देखा! पेड़ों पर लटके फल भी काले पड़ गए हैं!
और ये जंगल भी बहुत घना है! ब्लैक पॉवर को भूल भी जाऊं तो भी यहां से बाहर निकलना आसान नहीं होगा!
एक बार फिर वायुमार्ग का सहारा लेना पड़ेगा!
अरे! ये आवाज़ किसकी है?
ये तो शिकांगी की आवाज़ है! वह यहां से दस किलोमीटर पूर्व में है! पर शिकांगी यहां पर कैसे आया?
कहीं उसने विसर्पी को बचाने की कोशिश तो नहीं की है। हां! जरूर यही होगा! शायद वह सफल भी हो गया हो...
...मुझे उस तक जल्दी से जल्दी पहुंचना होगा! और उसके लिए एक बार फिर वायु मार्ग का रास्ता पकड़ना होगा!
प्रणोदास्त्र!
अरे प्रणोदास्त्र की अग्नि एकाएक बुझ गई है!
मैं नीचे गिर रहा हूं!
मुझे सांस लेने में भी दिक्कत हो रही है!
इसका एक ही अर्थ है! इन काले पेड़ों ने भारी मात्रा में कार्बनडाइ आक्साइड छोड़ना शुरू कर दिया है!
जबकि, सूर्य की रोशनी में तो ये पेड़ ऑक्सीजन छोड़ते हैं!
पर ये पेड़ ऐसा उल्टा व्यवहार क्यों कर रहे हैं?
शायद इसलिए क्योंकि ये ब्लैक पॉवर हैं!

धाऽऽड़.
आऽऽऽऽह!
ओऽऽऽह!
यहां पर जो भी शक्ति है वह पेड़ों की आड़ में मुझ पर वार कर रही है!
इसीलिए इन पेड़ों को...
...मेरे रास्ते से हटना होगा!

तो ये है वह ब्लैक पॉवर जिसने यतियों तक को आतंकित कर रखा है!
सनननन न! किसने जुर्रत की है डार्क वुड के राज्य में बिना इजाजत कदम रखने की!
इसको तो मैं एक ही वार में नष्ट कर दूंगा!
अंकुर इसी के इशारे पर ब्लैक वृक्ष कॉर्बन डाई-ऑक्साइड छोड़कर मेरा दम घोंट रहे हैं!
इसका खात्मा जल्दी से जल्दी करना होगा!

ओह ! इसके
अंदर तो
की पॉवर है।
यानी मुझको इस पर ऐसा बड़ा वार करना होगा जो इसको एक वार में ही पूरा नष्ट कर दे!
किसी बड़े अस्त्र का आह्वान करना होगा!
जैसे बृहदास्त्र का!
लेकिन बृहदास्त्र का प्रयोग कर पाने से पहले ही -
ये फल नागराज के शरीर पर आ फटे थे -
ओफ्! ये बदबूदार चिपचिपे फल!
72

मुझे... नागराज
से मारना चाहता है
मुझे फल मारें न
बदबू मुझे जरूर
मार डालेगी !
अरे ! ये फलों का चिपचिपा गूदा मेरी पूरी त्वचा पर फैल रहा है !
फलों का रस तुम्हारे रोम छिद्रों से होता हुआ तुम्हारे शरीर में पहुँच रहा है ! और तुम्हारे शरीर की संरचना को बदल रहा है !
अब जल्दी ही तू मेरे जैसा बन जाएगा...
...एक ब्लैक पॉवर !
ब्लैक पॉवर्स की दुनिया में तुम्हारा स्वागत है नागराज !
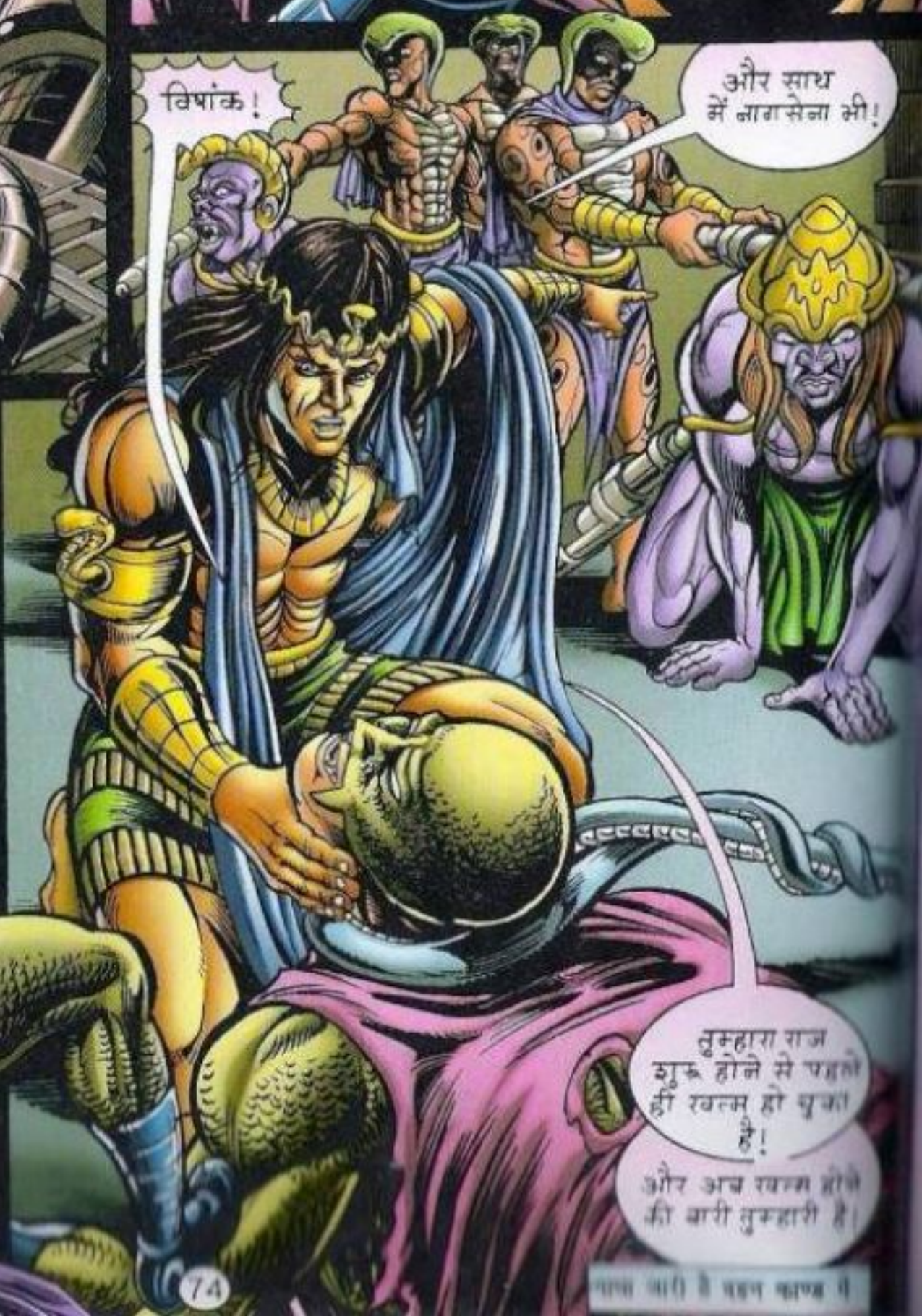
देख विसर्पी! देख क्रूरपाशा की शक्ति! मैंने उँगली तक नहीं उठाई, पर नागराज मेरा गुलाम बन गया!
अब पूरी दुनिया के साथ-साथ नागराज भी मेरे वश में आ गया है!
यानी... क्रूरपाशा विश्व सम्राट बन गया है! और आज शुरुआत होगी उसके ब्रह्मांड सम्राट बनने की!
विषांक!
और साथ में नागसेना भी!
सपने देखना छोड़ क्रूरपाशा! अब तो अलंघ्या भी तेरे कब्जे में नहीं है!
तुम्हारा राज शुरू होने से पहले ही खत्म हो चुका है!
और अब खत्म होने की बारी तुम्हारी है!